

RAJYA SABHA

Tuesday, the 16th August,
1994/25th Sravana, 1916
(Saka)

[The House met at eleven of the clock.
The Deputy Chairman in the Chair]

**ORAL ANSWERS TO
QUESTIONS**

*301. [The Questioner (Shri Iqbal,
Singh)
was absent. For answer vide Col.' 28
infra]

Textile Sector Exports

*302. MISS SAROJ KHAPARDE:†
SHRI RAMDAS AGARWAL:

Will the Minister of TEXTILES be
pleased to state:

(a) whether an export target of 9 bil-
lion US dollars has been set for the
textiles sector during the current year;

(b) if so, the details thereof;

(c) whether Government have recently
initiated several steps to boost exports in
the textiles sector; and

(d) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE OF THE
MINISTRY OF TEXTILES (SHRI G.
VENKAT SWAMY): (a) to (d) A
statement is laid on the Table of the
House.

Statement

(a) and (b) Yes, Sir. The target for
1994-95 represents an increase of 12.8%
over the performance during 1993-94.
The sector-wise export targets fixed for
1994-95 in dollar/rupee terms are as fol-
lows:

(In equivalent Rupee terms)

	In Million US Dollars	Rs. Crores
1. Readymade Garments (Apparel)	4262.40	13,371.14
2. Cotton Textiles		
(i) Cotton Fabrics & Made-ups (Millmade/Powerloom)	1200.00	3,764.40
(ii) Cotton Fabrics & Made-ups (Handloom)	475.00	1,490.08
(iii) Cotton Yarn	530.50	1,664.17
Sub-total (Cotton Textiles)	2205.50	6,918.65
3. Man-made fibre Textiles	646.00	2,026.59
4. Silk Textiles	265.00	831.31
5. Woollen Textiles	231.50	726.22
Total (Textiles)	3348.00	10502.68
6. Handicrafts	1234.00	3,871.06
7. Jute	110.00	345.07
8. Coir	45.60	143.05
GRAND TOTAL	9000.00	28,2333.00

(c) and (d) In order to step up exports of
textiles the Government have taken a
The question was actually asked on the
floor of the House by Miss. Saroj
Khaparde.

number of steps which include
encouraging exporters to participate in
buyer seller meets, fairs and exhibitions;
enabling import of capital goods at
concessional

duty for export production; special arrangements for duty-free import of raw materials for export-production; ensuring increased availability of export credit; etc.

MISS SAROJ KHAPARDE: Madam, I would like to know from the hon. Minister whether the Government have conducted any market research or made any assessment regarding particular items of textile products like handicrafts, coir, jute, etc. to find out which items are facing stiff competition in foreign markets, and what specific steps have been taken to boost aggressively, our exports in foreign markets.

श्री जी० वेंकटस्वामी: उपसभापति महोदया, आनरेबल मेम्बर को मैंने डिटेल् में स्टेटमेंट दिया है कि हम गवर्नमेंट की तरफ से, मिनिस्ट्री की तरफ से एक्सपोर्ट बढ़ाने के लिए क्या-क्या कर रहे हैं। जैसे, "In order to step up exports of textiles, the Government have taken a number of steps which include encouraging exporters to participate in buyer-seller meets fairs and exhibitions...."

MISS SAROJ KHAPARDE: This is my question.

उपसभापति: इन्होंने सवाल किया है कि एक्सपोर्ट बढ़ाने के लिए आपने जो-जो कदम उठाये हैं उसके बारे में बता दीजिए।

MISS SAROJ KHAPARDE: Specifically I asked about handicrafts coir, and jute.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Handicrafts, - Coir, and jute.

Market Survey research done by export promotion councils regarding handicrafts, coir and

जगैरह

में पर इसके साथ ही मैं आनरेबल मेम्बर को बताना चाहता हूँ कि हैंडीक्राफ्ट्स में हमारा एक्सपोर्ट बहुत आगे बढ़ चुका है। 1992 में तकरीबन 1800 करोड़ था इस साल 3,800 करोड़ का टारगेट हमने रखा है और पिछले साल 3,300 तक पहुंच चुके हैं और कम्प्यूटीशन हैंडीक्राफ्ट्स में ज्यादा नहीं है। आनरेबल मेम्बर को बताना चाहता हूँ कि हैंडीक्राफ्ट्स का एक्सपोर्ट एक्सेजिंग है, खासतौर से यूरोप, अमेरिका, साउथ अफ्रीका, साउथ अमेरिका में। इस साल एशिया के चंद्र

कंट्रीज में भी हैंडीक्राफ्ट्स को फैशन की पूरी कोशिश कर रहे हैं। मेरा ख्याल है हमने जो टारगेट रखा है उस टारगेट से भी आगे बढ़ कर 4 हजार करोड़ तक नेक्स्ट ईयर में पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं।

MISS SAROJ KHAPARDE: Madam, I would like to know from the hon. Minister whether the South American countries like Brazil, Chile, Argentina, and Mexico and also the countries of South Africa are proposed to be subjected to aggressive marketing of Indian textile products, and if so, whether the Government proposes to include additional textile products, other than ready-made garments and synthetic textiles, to the list of extreme focused products for marketing thrust in their exports, and if not, what the reasons are.

Part (b) of my supplementary is whether the garment industry is running short of trained workers, and, if so, what special measures the Government proposes to take to make up the shortage at the earliest.

SHRI G. VENKAT SWAMY: Which workers? Handicraft workers?

MISS SAROJ KHAPARDE: Textile workers. Garment workers.

श्री जी० वेंकटस्वामी: सर, फर्स्ट क्वेश्चन इज, साउथ अमेरिका और साउथ अफ्रीका के बारे में जो क्वेश्चन आनरेबल मेम्बर ने पूछा है हमारी मार्केटिंग के बारे में, टेक्सटाइल एंड अदर टेक्सटाइल इंडस्ट्री के बारे में, इंडस्ट्रियल मिनिस्ट्री से जो संबंधित है तो हमारे अब तक दो-तीन डेलीगेशन साउथ अफ्रीका जा चुके हैं। पार्टिक्युलरली हैंडीक्राफ्ट और गार्मेंट्स के लिये काफी इनक्वेजिंग है क्योंकि ये नान-बोटा कंट्रीज हैं। ब्राजील और साउथ अमेरिका के जो दूसरी कंट्रीज हैं, अर्जेन्टीना, चिली जगैरह में काफी इनक्वेजिंग मार्केटिंग खोप है और मैं सम्झता हूँ कि हमारी मार्केटिंग वहाँ आगे बढ़ेगी। उसी तरह से साउथ अफ्रीका का भी मार्केट पार्टिक्युलरली बहुत ही इन्वेजिंग है और वहाँ पर भी हमारे डेलीगेशन जा चुके हैं और अनकारीब में हमारी गवर्नमेंट की तरफ से भी डेलीगेशन जाने वाला है। वे लोग बहुत ख्वाहिश कर रहे हैं, इंडियन टेक्सटाइल इंडस्ट्रीज के जो भी प्रोडक्ट्स हैं, उनको इनक्वेजमेंट की वहाँ से कायर्स की तरफ से, वहाँ की गवर्नमेंट की तरफ से भी कोशिश

ये रही है। मैं आनरेबल मंत्री को विश्वास दिलाता हूँ कि न दो परिष्कार में हमारी मार्केटिंग टेक्स्टाइल इंडस्ट्री के नये बहुत इनक्रेजिंग है और इसे आगे बढ़ाने की हम कोशिश करेंगे।

पार्ट बी में आपने सवाल किया है उसके संबंध में जवाब है कि हमारी टेक्स्टाइल इंडस्ट्री का जो गारमेंट एक्सपोर्ट कर रहा है, वह तकरीबन 12 हजार करोड़ रुपये का एक्सपोर्ट कर रहा है। यहां पर कर्ट्स और स्टिचिंग रकर्स की शॉर्टेज है। इसके लिये हम लोगों ने स्टेप नये हैं। फैशन टेक्स्टाइल में अन्क्रीब में कई फैशन कालेजों ईस्टीमेट आने वाली हैं, और वहां पर हम रकर्स को तैयार करने की कोशिश कर रहे हैं, खासतौर पर कटिंग और स्टिचिंग के लिये और दूसरे डिप्लोमा प्रोग्राम के लिये भी हम कोशिश करेंगे और अन्क्रीब में शुरू करेंगे।

SHRIMATI JAYANTHI NATARAN: Madam, the hon. Minister, in his reply laid on the Table of the House, has given certain very encouraging figures. We all know that after the signing of the GATT, one of the areas which is of the real interest or of the greatest benefit the area of textile export. The Minister ill agree with me that one of the largest markets is the market of the United states.

Madam, recently, two days ago, there as a very disturbing report in the newspapers about how there has been tremendous publicity all over the United states on TV that the Indian rayon skirts are dangerous for use. After that, after we wide publicity on the national televi-si on in the United States, the spokesmen [the Government and other apex textile bodies in the United States, held the arts in their hands and burnt them. I am sure this is an excessive bad publicity in the Indian skirts, as a result of which the import of Indian skirts into the US as been banned.

My question to the hon. Minister is in to parts. One, is the Minister aware of much negative publicity, and what steps are being taken to assure the American public which is one of the largest import-g public that the Indian goods are not dangerous?

Secondly, is there any truth in the assertion that these fabrics are inflammable?

Will the Minister take it up with the United States? What is going to happen to the agreements already entered into with the Indian exporters?

The problem would arise in regard to our exports. The question would be as to how much the Indian exporters are going to lose over this and to what extent, in future, our exports would be affected.

श्री श्री* बेंकटेश्वरामी: उपसभापति महोदया, पहला तो सवाल यह है कि आनरेबल मंत्री ने यह जैसे अमरीका को एक्सपोर्ट के बारे में कहा, यह सही नहीं है क्योंकि हमारा गारमेंट एक्सपोर्ट सब से ज्यादा यूरोपियन यूनियन मार्केट के लिए होता है और अमरीका का सेकेंड नम्बर आता है। यह न्यून बिस्कुल सही है, मिनिस्ट्री इसके ऊपर सीरिबसली खेच रही है कि क्या करना चाहिये क्योंकि यहां पर वह गवर्नमेंट की तरफ से नहीं बल्कि एक कमीशन की तरफ से कहा जा रहा है कि बारिक रेयान रहने से जल जाएंगे, खतरा है। इस तरह से आ रहा है। मैं आपकी इनफॉर्मेशन के लिए बताना चाहता हूँ कि रेयान का उसमें इस्तेमाल होता है और दो तीन साल के अन्दर वहां पर हमारी इस डिजाइन की स्कर्ट्स का बिजनेस बहुत आगे बढ़ा है। दो साल में 30 गुना से ज्यादा हमारा एक्सपोर्ट हुआ है। वहां से ट्रेडर्स में खलबली मची। कोई चारा नहीं था। पहले उन लोगों ने वहां पर बन्द करने की कोशिश की, वहां के आफिशियल्स ने कोशिश की कि आप जो भेज रहे हैं यह ठीक नहीं है वगैरह-वगैरह। जब वह ठीक नहीं जमा तो वहां के एक कमीशन की तरफ से डिक्लेयर करवाया गया कि इसमें रेयान बड़ा डेंजरस है। उन्होंने खुद क्लेपिफाई किया है। इससे कोई भय नहीं है आज तक न वहां और न इण्डिया में और न कहीं और ऐसा हुआ है। इससे कोई खतरा नहीं हुआ है। मिनिस्ट्री की तरफ से उसके ऊपर सारे एक्सपोर्टर्स को बुला कर एक मीटिंग करेंगे कि क्या एक्शन लेना चाहिये और किस तरह से इसको टेक-अप करना चाहिये। जरूर हम इस कोशिश में लगे हैं कि मिनिस्ट्री की तरफ से क्या कदम उठाएँ।

SHRI JAGESH DESAI: Madam, fifty per cent of our textile exports consist of readymade garments. This is one of the important items of our exports. For the

year 1994-95, the target has been increased by 12.8 per cent over the year 1993-94, whereas the growth in exports in the year 1993-94 was 21 per cent. In this connection, I would like to know from the hon. Minister as to what was the growth in export of readymade garments and textiles in the year 1993-94 compared to the growth in 1992-93. What has been the increase in exports, in percentage terms? Why have you fixed a very low target — 12.8 per cent — for the year 1994-95? Will the hon. Minister enlighten us on this?

Secondly, what would be the effect of this ban on our rayon skirts in the U.S.A.? To what extent would our exports be reduced? of Course, you are going to hold talks, but that would not be sufficient. We have to give a proper answer. We should take it up with the leaders of the U.S.A. because, as I said, this is one of the most important items of our exports. As it was going up by 30 per cent, the vested interests in the U.S.A. have tried to put out this kind of story. How are you going to meet it?

श्री जी० चैकटस्वामी: उपसभपति, महोदया, श्रेय रट के बारे में आप जानते हैं कि काटन के प्राइसेज़ इन्फ्लेज़ होने की वजह से यहाँ प्राइसेज़ भी इन्फ्लेज़ हुए हैं। इसकी वजह से हमारे श्रेय रट में थोड़ी कमी दिखाई गई है।

SHRI JAGESH DESAI: I would just like to point out. If this is the reason, there is no growth at all because you have to take into account the inflation rate of 10 per cent. If these are the factors, the actual quantity would be much less than what it was in 1993-94. Will the hon. Minister clarify?

श्री जी० चैकटस्वामी: उपसभपति महोदया, मैं वही क्लैरिफाई करने जा रहा था। मैं बताना चाह रहा था कि लास्ट ईयर और इस साल भी काटन के रेड्स काफी बढ़ चुके हैं। आप जानते हैं कि काटन के रेड्स डबल और ट्रिपल हुए और इन्फ्लेज़ में आज तक इतने काटन के रट नहीं बढ़े हैं। इसके बावजूद भी हमने मिनिस्ट्रीज़ की तरफ से श्रेय रट इन्फ्लेज़ करने के लिए स्टेप लिये हैं और हमने करीब टारगेट 28000 करोड़

रुपए के लिए निवस किया है। मैं आनेकाल मेम्बर को विश्वास दिलाऊँ कि इस साल श्रेय रट इन्फ्लेज़ के साथ-साथ हमारा एक्सपोर्ट भी इन्फ्लेज़ होगा।

इसका मैं आपको विश्वास दिला रहा हूँ। दूसरा, स्कर्ट के बारे में क्वेश्चन आनेकाल मेम्बर ने किया। अमेरिका के अंदर जो कफ़ी पब्लिसिटी हो रही है। बिस्कुल सही है। इस तरह से पब्लिसिटी की जा रही है कि देखिए अगर पहनेंगे तो जल जाएंगे। यह हर बैठाया जा रहा है फ़ैब्रिक में। इस सितारसिले में मैं आनेकाल मेम्बर को विश्वास दिलाऊँ कि गवर्नमेंट की तरफ से और एक बात सफ़ है कि हमारे एक्सपोर्ट में इससे कमी नहीं होगी। यह करने के बावजूद भी कमी नहीं होगी। अमेरिका का जो कोटा है, यह इस कोटे के बाहर है। कोटे के अंदर नहीं है।

इस टाइप का स्कर्ट अमेरिका के अंदर जो पापुलर हुआ है उससे वहाँ के ट्रेडर्स खूब डर गए हैं। खबरदार हीला हवाला लेकर इसको रोकना चाहते हैं। इसको रोकने के लिए जो कौशिल्य उनकी तरफ से की जा रही है, हमको क्या करना है मैं आनेकाल मेम्बर को विश्वास दिलाऊँ कि गवर्नमेंट इमीडिएटली एक्सपोर्ट की एक मीटिंग बुलाएगी कि हमें क्या कदम उठाने चाहिए। हम इसके ऊपर जाएंगे।

कुमारी सरोज खापरडे: आप टी-व्ही और अन्य मीडिया का उपयोग क्यों नहीं करते हैं इनके प्रोपेगंडा को नलीफाई करने के लिए। न्यू मीडिया का क्यों नहीं इस्तेमाल करते हैं। अगर अमेरिका इतना सब कुछ करे तो हमें भी अपने मीडिया का उपयोग करना चाहिए।

श्री जी० चैकटस्वामी: आनेकाल मेम्बर की एडवाइस को भी हम जरूर जारी रखेंगे।

SHRI MADAN BHATIA: Madam, I would like to ask the hon. Minister only two short clarifications. First, what has been the annual value of export of skirts to the United States in the last one year? Second, before this ban was imposed, I believe there must be a lot of skirts already in transshipment. What will happen to those transhipped skirts, the value of which may be running into crores, when they reach the shores of the United States? I would like to know whether this question is going to be sorted out, because if their export is not to be allowed in view of this ban, the Indian exporters are going to suffer los-

ses, which I believe may run into crores of rupees.

THE DEPUTY CHAIRMAN: I do not think they would have anticipated that the skirts are going to be burnt and banned in America. So, they would have specifically kept it separate. I think it must be in bulk.

SHRI G. VENKAT SWAMY: The annual value of about Rs. 300 crores और जो एक्सन के बारे में कहा है वह मैं पहले ही कह चुका हूँ।

उपसभापति: उनका कुछ यह सवाल था मंत्री जी कि कुछ उनका इन्वॉरिस बगैरह है जो पहले से शिपमेंट

That will not be affected by this ban. The ones which are in transit, the ones which have already been

श्री जी० वेंकटस्वामी: दो रोज पहले यह न्यून आई है। दो रोज हासीडे था। आज तो बार्किंग डे शुरू हुआ है। अब मैं पता लगाऊंगा और आनरेबल मेम्बर को बताऊंगा।

श्री एस०एस० अहलुवालिया: उपसभापति महोदय, कर्ट के इस मामले को मद्देनजर रखते हुए मैं जानना चाहूंगा क्योंकि हमारे देश में महात्मा गांधी ने नैनचेस्टर के से हुए कपड़ों का विरोध करते हुए एक आंदोलन चलाया था। जहां कहा गया था कि विदेशी कपड़ों को नला डाला जाए। किसी भी कंपनी के मैनुफैक्चरर को अगर इकनामिकली बचक करना है या उसकी सेलिंग इंटेरिबलिटी को कम करना है तो उसका सही तरीका स कपड़े के बारे में कुप्रचार करना होता है। तो भारतीय सत्र का भी कुप्रचार अमेरिका में हो रहा है। यह अमेरिका के लोग कर रहे हैं या अमेरिका में भारत के श्य कंपटीशन में कपड़े बेचने वाले — जिसमें कि किस्तान भी है, ये लगे कर रहे हैं, इसके बारे में अपने कोई इक्वायरी करने की कोशिश की है कि नहीं?

उपसभापति: करेंगे।

श्री एस०एस० अहलुवालिया: इसकी इक्वायरी करने में अकुरत है। महोदय, यह इसलिए मैं कह रहा हूँ कि ३ लोगों ने बासमती चावल में भी इसी तरह देखा है। २ लोग बासमती चावल में जो अपने आपको फायनियर मझते थे आज आहिस्ता आहिस्ता उसमें पिछड़ रहे हैं कि उसमें अभी एक एक्सट्रा अरोमा एड करके हमारे समती चावल को डिफेंड करने की कोशिश की गयी।

इस कपड़े के उद्योग में भी वे सभी इस तरह का कुप्रचार कर सकते हैं। तो "गैट" का जो समझौता हुआ है और उसमें जो कपड़े के सारे नियम आए हैं, अगर उसके तहत कल को भारतीय वस्त्र पहनने का एक बहिष्कार डवलप कंट्रीज में शुरू होता है तो हम उसके लिए क्या कर सकते हैं या "गैट" एग्जिमेंट के तहत हमें कोई रिलीफ मिल सकती है या हम अपने इंटेरेस्ट को प्रोटेक्ट करने के लिए पूरी तरह से बर्बल है कि नहीं, मंत्रीजी यह बताने की कृपा करें?

श्री जी० वेंकट स्वामी: उपसभापति जी, आनरेबल मेम्बर का खुबन बिस्कुल सही है। पाकिस्तान का इस्लाम हाथ है कि नहीं, यह मैं नहीं कह सकता, मगर वह जरूर कहूंगा कि कर्पेट इंडस्ट्री में हमारा बितना भी कर्पेट एक्सपोर्ट हो रहा है, उसमें हमारा कर्पटीटर पाकिस्तान भी है और दूसरे देश भी हैं। उसमें हमारी कुछ बंदकिल्ली है कि जो हिंदुस्तान से आय०एल०ओ० में रिफ्रिजेंट करते हैं, यह लोग प्रचार करते हैं कि कर्पेट जमीन में बिछाकर उस पर खून डाला जाता है और यह बच्चों का खून है। इस क्रिम के प्रचार के चक्र में आना कि हिंदुस्तान का कर्पेट बच्चों के डरा बनवा जा रहा है, सही नहीं है। जैसेकि कल प्रिम मिनिस्टर ने भी कहा है कि चाइल्ड लेबर के एबोल्टीशन के लिए पूरी तरह से कोशिश कर रहे हैं और गवर्नमेंट ऑफ इंडिया उस पर एक्सन ले रही है। उस उद्योग में जच्चे अब बहुत कम हो चुके हैं। इस सिलसिले में मैं डिटेल्ड रिपोर्ट आनरेबल मेम्बर को दूंगा। इस बारे में मैं कल ट्रेडर्स के साथ बातचीत के बाद नतीजे पर आऊंगा और आपको सही रिप्लाव दे सकता हूँ क्योंकि अभी उसी बात ही नहीं हुई है और वहां से भी अभी पूरी तरह इनफॉर्मेशन नहीं आयी है। वह सब मैं कलेक्ट कर रहा हूँ और उसके बाद ही मैं यह इनफॉर्मेशन आपको पास करूंगा।

SHRIMATI CHANDRIKA ABHINANDAN JAIN: Thank you, Madam. The hon. Minister has given the figures of the export target for 1994-95 and he has stated that there is an augmentation of 12.8 per cent over the performance during the year 1993-94. As far as the export of cotton yarn is concerned, the figures suggest that there is a projection of something like \$ 530.50 million as export target and in terms of 1,664.17 crores. As I understand there is

a ban on export of cotton yarn. I find there is an anomaly.

I would like to know from the hon. Minister, whether there is any proposal with the Government to remove the ban on export of cotton yarn. There is a lot of hardship being faced by the manufacturers of cotton yarn. I would like to know from the hon. Minister whether he is going to lift the ban on cotton yarn.

Part (b) of the question is, there is a lot of export obligations on the part of manufacturers who have imported machinery, They have stated that they are going to pay the amount by way of export obligations. When the Government puts a ban on export of cotton yarn, how do they expect these manufacturers to fulfil their export obligations?

श्री जी० वेंकटस्वामी: उपसभापति महोदय, ऑनरेबल मेंबर का खुचन है कि कॉटन यार्न को क्यों नहीं बैन से निकला जाता है। मैं उनको बताना चाहता हूँ कि जो कोटा उनको दिया गया था, वह छै: महीने के अंदर उन्हें पूरा कर लिया है, अब और मांग रहे हैं। अगर इस बन्त यार्न और दिया जाए तो आप जानते हैं कि देश के अंदर कॉटन रेट्स बढ़ने की वजह से पटोकुल्लली हैडलूम यार्न की कीमत बहुत बढ़ चुकी है। इसी तरह से अगर यार्न को एक्सपोर्ट के लिए दिया जाए तो डोमेस्टिक कपड़े के साथ-साथ हैडलूम चीवर्स के लिए भी मुश्किल होगी और इस कपड़े को पहननेवाले हमारे गरीब लोगों को भी मुश्किल होगी। इसकी हमने बहुत कोशिश की है और इनको इस साल जो हंड्रेड मिलियन के०जी० का कोटा दिया गया था वह छै: महीने के अंदर उन्हें पूरा कर लिया है और इस साल और मांग रहे हैं। उपसभापति महोदय, कॉटन की पोजीशन स्टडी की जा रही है, उसके बाद नेक्स्ट इयर ... (व्यवधान) ...

SHRI VAYALAR RAVI: Handloom interests will suffer. (Interruptions). Don't do that.

श्री जी० वेंकटस्वामी: कोशिश की जा रही है। खंडी तो करें कि कितना कॉटन यार्न हमारे पास है, कितना हेक यार्न हमारे पास है। इसके आंकड़े आने के बाद सोचा जाएगा।

SHRIMATI CHANDRIKA ABHINANDAN JAIN: What about the export obligation? (Interruptions).

THE DEPUTY CHAIRMAN: Question No. 303.

Incremental Non Food Credit

*303. **DR. SHRIKANT RAM CHANDRA JICHKAR:** Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) what is the present increments non-food credit excluding export ratio t-deposit ratio for the scheduled bank under the busy season credit policy;

(b) the banks which have exceeded the ratio for two successive fortnights during the current year; and

(c) whether they have faced an automatic reduction in refinance limits?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI M.V CHANDRASHEKHAR MURTHY): (a to (c) Reserve Bank of India (RBI) has reported that the present, there is a stipulation regarding incremental net-non food credit (excluding export credit) de posit ratio for scheduled commerce banks.

DR. SHRIKANT RAMCHANDRA JICHKAR: Madam, the Reserve Bank of India has reported that there is no stipulation for this ratio and the hon. Minister has believed the Reserve Bank. I would like to draw the attention of the hon Minister to pages 50, 52 and 198 of the latest Annual Report of the Reserve Bank of India. In this latest Annual Report of the Reserve Bank of India they have discussed this ratio. The Reserve Bank of India has projected this ratio even for June, 1994. Even in the latest Economic Survey—I would like draw the attention of the hon. Minister to pages 38 and 39 — which was laid before Parliament during this year, you have discussed this ratio. How is it that the Reserve Bank has reported that there is no stipulation and you do not maintain this ratio? I would like the hon. Minister to react to this. I would also like to know what react to this. I would also like to know what action he would take on the